श्रवण एवं वाचन कौशल

1. (क) किसी भी मौसम का कोई निश्चित समय नहीं रहा। वह कभी भी बदल जाता है इसलिए मौसम को मनमौज़ी कहा है।

   (ख) अनियमित वर्षा होने का प्रभाव कृषि, ऊर्जा संसाधनों और पेयजल योजनाओं पर पड़ता है।

   (ग) राजस्थान में औसत वर्षा सौ मिलीमीटर होती है।

   (घ) चेरापूँजी में औसत वर्षा ग्यारह सौ मिलीमीटर होती है।

2. शिक्षक/शिक्षिका उच्चारण वाले शब्दों का उच्चारण करेंगे। विद्यार्थी सुनकर बोलेंगे और लिखेंगे।

3. (क) सौ करोड़ से भी अधिक (ख) अधिक संख्या में नलकूप लगाने से

   (ग) वर्षा-जल संचयन से (घ) प्रतिदिन साढ़े तीन लाख लीटर

पठन एवं लेखन कौशल

1. (क) जल की आवश्यकता कृषि-क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र, घरेलू उपयोग और कारखानों में बनी रहती है।

   (ख) अधिक संख्या में नलकूप लगाने से पृथ्वी का जल-स्तर नीचे चला जाता है।

   (ग) यदि वर्षा अनियमित होती है तो उसका प्रभाव कृषि के साथ ही ऊर्जा संसाधनों और पेयजल व्यवस्थाओं पर भी पड़ता है।

(घ) भारत में सर्वाधिक वर्षा का रिकॉर्ड मेघालय के 'मौसिनराम' का है जहाँ ग्यारह सौ मिली लीटर से भी अधिक वर्षा होती है।

(ङ) सेना विहार के निवासियों ने वर्षा जल का संचयन करके अपनी पानी की समस्या का समाधान किया।

(क) जल-चक्र इस प्रकार है- पानी वर्षा के रूप में बरसता है, पृथ्वी पर उपस्थित जल भाप बनकर उड़ता है, इससे आकाश में बादल बनते हैं। ये बादल पृथ्वी पर वर्षा करते हैं।

(ख) लेखक का कहना है कि वर्षों से मनुष्य की प्यास बुझाने वाले तालाबों और कुंओं का पानी या तो सूख गया है या बहुत नीचे चला गया है। यह खेद का विषय है।

(ग) पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि मात्र केंद्र और राज्य सरकारें ही जल समस्या का समाधान नहीं कर सकतीं। सरकारी, गैर-सरकारी संस्थाओं, पंचायती राज और हर नागरिक को जल-संचयन का बीड़ा उठाना होगा।

(घ) रूफवॉशर्स, सिस्टर्नस और रेन बैरल्स की सहायता से वर्षा के जल का संग्रह करके 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग' की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। इससे सूखे और बोरिंग वाले कुंओं का जल-स्तर ऊपर लाया जा सकता है।

(ङ) कर्नाटक और केरल में 'रेनवॉटर हार्वेस्टिंग' के लिए लोग वर्षा के समय साड़ी को खंभों और पेड़ों से बाँध देते हैं और उसके नीचे बाल्टी रखकर जल एकत्र करते हैं।

(च) जल ही जीवन है। जल की एक-एक बूँद कीमती है। अत: इसकी प्रत्येक बूँद की रक्षा करने का हमें प्रयत्न करना चाहिए। अकसर हम दैनिक कार्य करते हुए नलों को आधे-अधूरे तरीके से बंद कर देते हैं जिससे पानी बहता रहता है। जहाँ कम पानी से काम चल सकता है वहाँ आवश्यकता से अधिक पानी का प्रयोग करके हम उसे व्यर्थ करते हैं जैसे- कपड़े धोना, पौधों को पानी देना।

Shot on A1 Plus

3. (क) सिस्टर्न (ख) भूमिगत जल (ग) रेनवैरल
(घ) रिसाइकिल (ङ) आधार

4. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

5. (क) भूमिगत जल को निकालने के लिए नलकूप लगाए जाते हैं ताकि जल संकट से निपटा जा सके।
(ख) अधिक संख्या से नलकूप लगाने से पृथ्वी का जलस्तर नीचे चला जाता है।
(ग) विशेषज्ञों के अनुसार यदि पानी की बर्बादी को नहीं रोका गया तो शीघ्र ही सारे देश को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ेगा।

शब्द संपदा

1. (क) बाँध - बाँधना (क्रिया) जल के प्रवाह को रोकने के लिए बनाया गया पुल
(ख) पानी - जल इज़्ज़त
(ग) पूरी - सारी खाने वाली पूरी
(घ) काम - कार्य नौकरी

2. (क) वाष्पीकरण (ख) औद्योगिक (ग) दुर्लभ (घ) भूमिगत
(ङ) विशेषज्ञ (च) राष्ट्रव्यापी

3. (क) संसार जग (ख) बरसात बारिश
(ग) तरु विटप (घ) मेघ घन
(ङ) नीर पानी (च) सरिता तटिनी

पाठाधारित व्याकरण

1. (क) विश्व के सामने जल-संकट एक विकट समस्या बनता जा रहा है।
(ख) पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, "केंद्र और राज्य सरकारें इस जल-समस्या से अकेले नहीं निपट सकतीं।"
(ग) कर्नाटक के बाद दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में भी जल-संचयन का कार्य आरंभ हो गया है।

2. (क) कि, की (ख) कि, की (ग) कि, की

3. (क) प्रचार क्रिया चक्र (ख) आपूर्ति सर्वेक्षण पर्याप्त
(ग) ड्रामा ट्रक ट्राली

4. (क) (i) कुएँ (ii) संस्थाएँ (iii) आँकड़े
(iv) नाले (v) नदियाँ (vi) योजनाएँ

(ख) (i) गाँव - आजकल **गाँवों** में भी सभी सुविधाएँ पहुँच गई हैं।
(ii) राज्य - **राज्यों** में जल-संचालन का कार्य आरंभ हो गया है।
(iii) देश - सम्मेलन में अनेक **देशों** के प्रतिनिधि आए थे।
(iv) पेड़ - पेड़-**पौधे** लगाकर पर्यावरण बचाया जा सकता है।
(v) निवासी - केरल के **निवासियों** की भाषा मलयालम है।

5. (क) संचयन (ख) गाँव (ग) कुएँ
(घ) संसाधन (ङ) आँकड़ा (च) आँगन